

## ICAR-National Bureau of Fish Genetic Resources (ICAR-NBFGR) celebrated its '35<sup>th</sup> Foundation Day' and 'Farm Innovation Day'

ICAR-National Bureau of Fish Genetic Resources (ICAR-NBFGR) celebrated its '35<sup>th</sup> Foundation Day' and 'Farm Innovation Day' on 12<sup>th</sup> December, 2018. Prof. U.S. Gautam, Vice Chancellor, Banda University of Agriculture & Technology (BUAT), Banda was the Chief Guest of the function. On this occasion, Annual Institute Awards for the year 2017-18 was presented to the staffs of ICAR-NBFGR for their performance in various categories. Selected Fish Farmer was also awarded for their contribution and achievements in the field of fish farming. The winner students from different schools, who had participated in drawing/painting and essay writing competitions held during 'Agriculture Education Day' on December 03, 2018 at the institute, were awarded with prize and certificate during the program.

ICAR-NBFGR is also hosting Aqua-Poultry Dairy Expo-2018 in its campus at Raibareilly Road, Telibagh, Lucknow, in collaboration with Centre for Agriculture and Rural Development (CARD), Govt. of Uttar Pradesh, Department of Fisheries, Animal Husbandry.



This **Foundation Day** was celebrated as Farm Innovation day. The farmers from across the country on Aquaculture, Poultry and Dairy are visiting the program and interacted with experts during seminar and exhibition. The combined exhibition of these commodities also attracted the attention of farmers to the integrated farming systems. On 11<sup>th</sup> December, 2018, the program was inaugurated by Hon'ble Minister of Animal Husbandry, Minor Irrigation, Fisheries Prof. S.P. Singh Baghel in the presence of Dr. Sudhir M. Bobde, Principal Secretary, Fisheries; Dr. Kuldeep Kumar Lal, Director, ICAR-NBFGR and Dr. S.K. Srivastava, Director, Animal Husbandry, Dr. Anis Ansari, Chairman, CARD.

**आईसीएआर- राष्ट्रीय मत्स्य अनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (आईसीएआर-एनबीएफजीआर) , लखनऊ, ने 12 दिसंबर, 2018 को अपना '35वां स्थापना दिवस' और 'जलकृषि अन्वेषक दिवस' मनाया**

आईसीएआर- राष्ट्रीय मत्स्य अनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (आईसीएआर-एनबीएफजीआर), लखनऊ, ने 12 दिसंबर, 2018 को अपना '35वां स्थापना दिवस' और 'जलकृषि अन्वेषक दिवस' मनाया। प्रो. यू.एस. गौतम, कुलपति, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बांदा, समारोह के मुख्य अतिथि रहे। इस अवसर पर वर्ष 2017-18 के लिए वार्षिक संस्थान पुरस्कार आईसीएआर-एनबीएफजीआर के कर्मचारियों को विभिन्न श्रेणियों में उनके प्रदर्शन के लिए प्रस्तुत किया गया। मछली पालन के क्षेत्र में योगदान और उपलब्धियों के लिए चयनित मत्स्य को भी सम्मानित किया गया। संस्थान में 03 दिसंबर, 2018 को 'कृषि शिक्षा दिवस' के दौरान ड्राइंग / पेंटिंग और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विभिन्न स्कूलों के विजेता छात्रों को कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया।

पशुपालन व मत्स्यपालन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार व कृषि और ग्रामीण विकास केंद्र (सी.ए.आर.डी) के सहयोग से आईसीएआर-एनबीएफजीआर ने रायबरेली रोड, तेलीबाग, लखनऊ स्थित अपने परिसर में एक्वा-पोल्ट्री-डेयरी एक्सपो-2018 की मेजबानी भी की।



इस 'स्थापना दिवस' को 'जलकृषि अन्वेषक दिवस' के रूप में मनाया गया। एक्वाकल्चर, पोल्ट्री और डेयरी पर देश भर के किसान इस कार्यक्रम में आए और सेमिनार और प्रदर्शनी के दौरान विशेषज्ञों के साथ बातचीत कर ज्ञान अर्जित किया। इन कृषि तकनीकों की संयुक्त प्रदर्शनी ने एकीकृत खेती की तरफ किसानों का ध्यान आकर्षित किया। 11 दिसंबर, 2018 को इस कार्यक्रम का उदघाटन पशुपालन लघु सिंचाई, मत्स्यपालन मंत्री, प्रोफेसर एस.पी. सिंह बघेल ने डॉ सुधीर एम बॉबडे प्रधान सचिव, मत्स्यपालन; डॉ कुलदीप कुमार लाल, निदेशक, आईसीएआर-एनबीएफजीआर; डॉ एस. के. श्रीवास्तव, निदेशक, पशुपालन; व डॉ. अनीस अंसारी, अध्यक्ष, सी.ए.आर.डी की उपस्थिति में किया।